हिंदी
(301)
मूल्यांकन पत्र - I
(पाठ 1 से 12 तक)

कुल अंक : 25

टिप्पणी:

(i) सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के अंक समान हैं।

(ii) उत्तरपुस्तिका के प्रथम पृष्ठ पर ऊपर की ओर अपना नाम, अनुक्रमांक, अध्ययन केंद्र का नाम, विषय आदि स्पष्ट रूप से लिखिए।

1. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** के उत्तर लगभग 70 शब्दों में लिखिए:

(क) 'हम जिससे प्रेम करते हैं, उसके अनुसार स्वयं को ढालते हैं'– मीरा के पदों के संदर्भ में इस कथन पर अपने विचार प्रस्तुत कीजिए।

(ख) बाहिर लैकै दियवा, वारन जाय।
सासु ननद ढिग पहुँचत, देत बुझाय।।

उक्त बरवै में नायिका द्वारा सास–ननद के पास पहुँचते–पहुँचते दिया बुझा देने का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

(ग) जाति और कर्म में से कौन–सी चीज मनुष्य को बड़ा बनाती है और क्यों? रैदास की कविता में व्यक्त विचारों के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

2. निम्नलिखित काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए–

मैं जानउँ निज नाथ सुभाऊ। अपराधिहि पर कोह न काऊ।।

मो पर कृपा सनेहु विसेषी। खेलत खुनिस न कबहूँ देखी।।

सिसुपन तें परिहरेउँ न संगू। कबहुँ न कीन्ह मोर मन भंगू।।

मैं प्रभु कृपा रीति जियँ जोही। हारेहुँ खेल जितावहिं मोही।।

अथवा

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

कोई भी राष्ट्र तब तक स्वतंत्र होने का दावा नहीं कर सकता जब तक उसकी अपनी ही राष्ट्रभाषा न हो। राष्ट्रभाषा समूचे राष्ट्र की शक्ति का स्रोत होती है। राष्ट्रभाषा निज भाषा होती है। राष्ट्रभाषा एक स्नेह सूत्र है जिसमें देश के लाखों–करोड़ों लोग धर्म तथा जाति के बंधनों से मुक्त होकर बँधे होते हैं। राष्ट्रभाषा के द्वारा ही किसी देश की उन्नति संभव है। यह देश की एकता का सूत्र है। देश के जीवन–मरण का प्रश्न भाषा पर निर्भर है। लोगों को प्रांतीयता, धर्म तथा भाषा की संकीर्णताओं से ऊपर उठकर राष्ट्रहित के लिए हिंदी के समर्थन में फैसला करना होगा। देश की जनता को सोचना होगा कि फ्रांस, रूस, जापान, चीन, जर्मनी, अमेरिका सभी विकसित तथा सम द्ध देश सारे राजनैतिक, धार्मिक, शैक्षणिक तथा वैज्ञानिक क्रिया–कलाप अपनी–अपनी भाषाओं में ही कर रहे हैं। राष्ट्रभाषा हिंदी ही समस्त देश को एक सूत्र में बाँधकर राष्ट्र को नव–निर्माण तथा

उत्थान मार्ग पर अग्रसर करने में भागीदार बनेगी। सभी देशों के नेता अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में अपनी मात भाषा में बात करते हैं परंतु हमारे नेता विदेशी भाषा बोलने में गर्व महसूस करते हैं। केवल हिंदी भाषा ही समूचे राष्ट्र को एकता के सूत्र में बाँध सकती है। विदेशी भाषा भारतवासियों के लिए घातक है। छात्रों का अमूल्य समय अंग्रेजी को रटने में व्यर्थ होता है। अपनी भाषा हमें अपने देश और संस्कृति से प्रेम करना सिखाती है। भारतेन्दु हरिश्चंद्र के अनुसार निज भाषा ही उन्नति का आधार है।

(i) भाषा का संस्कृति से क्या संबंध है?

(ii) उपर्युक्त गद्यांश में राष्ट्रभाषा के किस विशिष्ट गुण का उल्लेख किया गया है?

(iii) उपर्युक्त गद्यांश का एक तिहाई शब्दों में सार लिखिए।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 70 शब्दों में लिखिए:

(क) गद्य की प्रमुख विधाओं का उल्लेख करते हुए 'संस्मरण' विधा का परिचय दीजिए।

(ख) 'द ढ़ता' और 'अड़ियलपन' में क्या अंतर है और जीवन में हमें किसकी आवश्यकता है– 'एक था पेड़ और एक था ठूँठ' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

(ग) 'दो कलाकार' कहानी के शीर्षक से स्पष्ट है कि लेखिका चित्रा और अरुणा दोनों को कलाकार मानती है। अरुणा को कलाकार किस कारण माना गया है– अपने विचार व्यक्त कीजिए।

4. (क) निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर अनुच्छेद लिखिए:

(i) वह अद्भुत द श्य

(ii) सर्दियों की धूप

(iii) सेवाभाव

(ख) कोष्ठक में दिए गए निर्देशानुसार उत्तर लिखिए:

(i)	साध्वी	(लिंग बदलिए)
(ii)	दिन–रात	(विग्रह कीजिए)
(iii)	अनिच्छा	(संधि–विच्छेद कीजिए)
(iv)	चिड़िया	(वचन–बदलिए)
(v)	अहमद के लिए	(कारक का नाम लिखिए)

5. किसी एक विषय पर परियोजना तैयार कीजिए:

(क) अपने जीवन की किन्हीं पाँच घटनाओं का उल्लेख कीजिए, अपने ऊपर उनके प्रभाव को रेखांकित कीजिए और अंत में उन घटनाओं का विश्लेषण करते हुए मानव–स्वभाव/सामाजिक परिस्थिति/मानव जीवन पर अपना अनुभव लिखिए।

(ख) 'दो कलाकार' कहानी में अरुणा एक समाज–सेविका है। अपने जीवन में आप जिस समाज–सेवकों/सेविकाओं से परिचित हुए हैं, उनमें से किन्हीं तीन के चित्र, जीवन–परिचय और कार्यों का संकलन कीजिए और उनके योगदान पर टिप्पणी करते हुए समाज–सेवा की आवश्यकता को रेखांकित कीजिए।

हिंदी

(301)

मूल्यांकन पत्र - II

(पाठ 13 से 25 तक)

कुल अंक : 25

टिप्पणी:

(i) सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के अंक समान हैं।

(ii) उत्तर पुस्तिका के प्रथम पृष्ठ पर ऊपर की ओर अपना नाम, अनुक्रमांक, अध्ययन केंद्र का नाम, विषय आदि स्पष्ट रूप से लिखिए।

1. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** के उत्तर लगभग 70 शब्दों में लिखिए:

(क) 'मुझे कदम–कदम पर' कविता में कवि ने आज के लेखक के सम्मुख विषयों की अधिकता का उल्लेख किया है, इसका आशय स्पष्ट करते हुए कविता के संभावित विषयों पर अपने विचार प्रस्तुत कीजिए।

(ख) 'मैं तोड़ती पत्थर' कविता में निराला ने श्रमिक स्त्री और श्रम के सौंदर्य का अद्भुत चित्रण किया है– इस कथन पर टिप्पणी करते हुए अपने आस–पास के किसी ऐसे अनुभव के संबंध में शब्द चित्र लिखिए।

(ग) आपने ''पीढ़ियाँ और गिट्टियाँ' पाठ पढ़ा है, इसमें पुरानी और नई पीढ़ी के संबंध को दिखाया गया है। आपकी द ष्टि में यह संबंध किस तरह का होना चाहिए, विस्तार से लिखिए।

2. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए:

कुटज क्या केवल जी रहा है? वह दूसरे के द्वार पर भीख माँगने नहीं जाता, कोई निकट आ गया तो भय के मारे अधमरा नहीं हो जाता, नीति और धर्म का उपदेश नहीं देता फिरता, अपनी उन्नति के लिए अफसरों का जूता नहीं चाटता फिरता, दूसरों को अपमानित करने के लिए ग्रहों की खुशामद नहीं करता। आत्मोन्नति के हेतु नीलम नहीं धारण करता, अंगूठियों की लड़ी नहीं पहनता, दाँत नहीं निपोरता, बगलें नहीं झाँकता।

अथवा

निम्नलिखित कविता को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

सिंहासन हिल उठे राजवंशों ने भ कुटी तानी थी,
बूढ़े भारत में आई फिर से नई जवानी थी,
गुमी हुई आजादी की कीमत सबने पहचानी थी,
दूर फिरंगी को करने की सबने मन में ठानी थी,
खूब लड़ी मर्दानी वह तो झाँसी वाली रानी थी।

(i) 'राजवंशों ने भ कुटी तानी थी' का तात्पर्य बताइए।

(ii) बूढ़े भारत में नई जवानी आने का क्या आशय है।

(iii) उपर्युक्त काव्यांश में से दो मुहावरे छाँटकर लिखिए।

(iv) 'फिरंगी' का आशय स्पष्ट कीजिए।

(v) उपर्युक्त काव्यांश में कौन–सा रस है?

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** के उत्तर लगभग 70 शब्दों में लिखिए:

(क) 'कुटज' पाठ के माध्यम से ''जीने की कला'' के विषय में द्विवेदी जी ने क्या संदेश दिया है? आप इससे कहाँ तक सहमत हैं?

(ख) 'अनपढ़ बनाए रखने की साजिश' के संदर्भ में विचार कीजिए कि शिक्षा और साक्षरता के प्रसार के लिए क्या उपाय किए जाने चाहिए?

(ग) आप अपनी हाउसिंग सोसाइटी/मोहल्ला सुधार कमेटी के सचिव हैं, वार्षिक बैठक के लिए सचिव का प्रतिवेदन लिखिए।

4. निम्नलिखित में से किसी एक विषय का भाव–पल्लवन लगभग 150 शब्दों में कीजिए–

(i) दुर्घटना से देर भली

(ii) पेड़ रहेंगे–हम रहेंगे

(iii) पढ़ी लिखी लड़की–रोशनी घर की

अथवा

अपनी बहन की शादी के निमंत्रण–पत्र का मसौदा/प्रारूप तैयार कीजिए।

5. किसी एक विषय पर परियोजना तैयार कीजिए:

(क) 'अनुराधा' पाठ में एक सांघातिक रोग से जूझते परिवार का चित्रण किया गया है। अपने आस–पास किसी जानलेवा रोग से ग्रस्त परिवार की समस्याओं और संघर्ष का उल्लेख कीजिए।

(ख) हिंदी कविता की विकास–यात्रा का आरेखात्मक परिचय दीजिए और अपनी पसंद के किन्हीं पाँच कवियों के व्यक्तित्व तथा कृतित्व का संकलन कीजिए। प्रत्येक कवि की पसंदीदा कविता का उदाहरण भी दीजिए।

हिंदी

(301)

मूल्यांकन पत्र - III

(पाठ 26 से 37 तक)

कुल अंक : 25

टिप्पणीः

(i) सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के अंक समान हैं।

(ii) उत्तर पुस्तिका के प्रथम पृष्ठ पर ऊपर की ओर अपना नाम, अनुक्रमांक, अध्ययन केंद्र का नाम, विषय आदि स्पष्ट रूप से लिखिए।

1. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** के उत्तर लगभग 70 शब्दों में लिखिएः

(क) 'दुःख के कारणों की स्पष्ट जानकारी के बिना क्रोध का उदय नहीं होता'— इस कथन पर विचार करते हुए आप अपने जीवन से जुड़े ऐसे दो अनुभवों का उल्लेख कीजिए जब किसी के दुःख पहुँचाने पर क्रोधित हो गए हों।

(ख) डॉ. रघुवंश हाथों से अपंग होने के कारण पैरों से लिखते थे। डॉ. रघुवंश के जीवन के इस उदाहरण से आपको क्या प्रेरणा मिलती है, लिखिए।

(ग) 'विराटा की पद्‌मिनी' उपन्यास में बुंदेलखंड के लोक जीवन और प्राकृतिक परिवेश का मोहक चित्रण है। यह चित्रण आपको कैसा लगा, विस्तार से लिखिए।

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** के उत्तर लगभग 70 शब्दों में लिखिएः

(क) 'सड़क का आदमी' शीर्षक लघुकथा के राघव सरकार कभी पालकी या रिक्शे पर नहीं चढ़े थे। वे रिक्शे पर चढ़ना पाप मानते थे। इस विषय पर अपने विचार लिखिए।

(ख) कवि लोहार पर क्रोधित क्यों हुआ? यदि आप कवि के स्थान पर होते तो क्या करते? उल्लेख कीजिए।

(ग) 'क्या नहीं कर सकता' लघु कथा में रचनाकार ने बादल और हवा के माध्यम से क्या संदेश दिया है? क्या आप उससे सहमत हैं?

3. निम्नलिखित अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए आँकड़ों को बार चित्र के माध्यम से प्रदर्शित कीजिएः

भारत में 1961 से 2001 तक पुरुषों और महिलाओं की साक्षरता में लगातार व द्धि दर्ज की गयी है। 1961 में पुरुष साक्षरता 40% थी और महिला साक्षरता 15%। इसी प्रकार 1971 में पुरुष साक्षरता 46% थी और महिला साक्षरता 22% थी। इस क्रम में 1981, 1991 एवं 2001 में पुरुष साक्षरता क्रमशः 56%, 63% एवं 72% दर्ज की गयी और महिला साक्षरता क्रमशः 30%, 40%, एवं 55% दर्ज की गयी।

4. निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर लगभग 150 शब्दों में एक निबंध लिखिएः

(i) शिक्षा का महत्त्व

(ii) प्रदूषण की समस्या

(iii) धर्मनिरपेक्षता

5. किसी एक विषय पर परियोजना तैयार कीजिएः

(क) समाज में बेरोजगारी की समस्या विकराल रूप धारण करती जा रही है। आप अपने आस–पास रहने वाले पाँच बेरोजगार शिक्षित युवकों से बात–चीत करके उनके अनुभव संकलित कीजिए और इनका विश्लेषण करते हुए अपना निष्कर्ष लिखिए।

(ख) हमारे समाज में बुजुर्ग उपेक्षा के शिकार हो रहे हैं। आप अपने जान–पहचान के पाँच बुजुर्गों से मिलकर यह जानकारी एकत्रित करें कि आज के समय में वे कैसा महसूस करते हैं और आज के युवाओं से क्या उम्मीदें रखते हैं।